

भारत के काफिरों ! संविधान बदलो बदलो बदलो!

इस्लाम अपने लक्ष्य को कभी नहीं छिपाता। मस्जिदों से प्रतिदिन ५ बार नियमित रूप से और नियमित समय पर लाउड स्पीकर पर अज्ञान यानी ईशानिंदा का प्रसारण किया जाता है और काफिरों को कत्ल करने के खुतबे दिए जाते हैं। काफिरों को अज्ञान और 'कलिमा' द्वारा यह चेतावनी दी जाती है:

"لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْمُحَمَّدُ رَسُولُهُ وَالرَّحْمَنُ عَلَيْهِ السَّلَامُ". इस अर्बी वाक्य का अक्षरशः अर्थ यह है:

"केवल अल्लाह की पूजा हो सकती है। मुहम्मद अल्लाह का रसूल है।"

(इस्लामियों को तो ये मानना पड़ेगा, परन्तु काफिरों पर ये मान्यता ठोसी नहि जा सकती। -

Skanda987)

अगर कोई काफिर कलिमा को अपने ईष्टदेव की निंदा कहे

(काफिर लोग कह शकते हैं कि वो ये अपने इये नहि मानते - *Skanda987*)

और पंथ-निरपेक्ष पूजा न माने,

(मै मतलब समजा नहि। - *Skanda987*)

तो उसे भारतीय दंड संहिता की धाराओं १५३ व २९५ के अधीन - दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १९६ के अंतर्गत राष्ट्रपति और राज्यपाल जेल भेजवाने के लिए विवश हैं।

(संविधान यहां बदलने कि जरुरत है। - *Skanda987*)

कुरान के अनुसार अल्लाह व उसके इस्लाम ने मानव जाति को दो हिस्सों--मोमिन और काफिर--में बाँट रखा है। धरती को भी दो हिस्सों--दार उल हर्ब और दार उल इस्लाम--में बाँट रखा है। (कुरान ८:३९)।

काफिर को कत्ल करना व दार उल हर्ब धरती को दार उल इस्लाम में बदलना मुसलमानों का जिहाद और असीमित संवैधानिक मौलिक मजहबी अधिकार है। (भारतीय संविधान का अनुच्छेद २९(१))।

(संविधान यहां बदलने कि जरुरत है। - *Skanda987*)

जो काफिर इस कठोर सच्चाई का विरोध करेगा, उसकी रीढ़ की हड्डी तोड़ दी जायेगी. उसका नार्के टेस्ट किया जायेगा. उसे जेल में जहर दिया जायेगा, ताकि वह घुट घुट कर मरे. हमारी साध्वी प्रज्ञा के साथ यही किया गया है.

उसके मुंह में गोमांस ठूसा जायेगा. हमारे जगतगुरु एवं कुलपति स्वामी अमृतानंद देवतीर्थ के साथ यही किया गया.

सभी जज जानते हैं. मुझे ४२ बार जेल भेजा गया और २००१ में जहर दिया गया है. क्या किसी जज के पास न्याय करने का साहस है?

(सुप्रीम कोर्ट के सिवा को कोर्ट कुछ नहि करेगी क्युं कि उनका काम कायदे का अमल करना है, कायदा बदलना नहि है। जनता हि संविधान बदल शकती है।— Skanda987)

भवदीय:-

अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी (सूचना सचिव)

आर्यवर्त सरकार,

७७ खेडा खुर्द, दिल्ली: ११० ०८२.

चल दूरभाष: (+९१) ९८६८३२४०२५/९१५२५७९०४१

ईमेल : aryavrt39@gmail.com

ब्लग: <http://aaryavrt.blogspot.com>

गणक जाल: <http://www.aryavrt.com>

फेसबुक: <http://www.aryavrt.com/>